Report on

Shaam-e-Mausiqui

(Pre-Convocation Event 2023)

As part of the Convocation Week celebrations, on 2nd December, under the joint aegis of Gender Sensitization Cell and Abhinavgupta Faculty of Aesthetics and Shaiva Philosophy, the program "Sham-e-Mausiki" was organized in which Sufi, Kathak, Qawali and other songs were sung by the students of the university. A fascinating presentation was given. The program was inaugurated by Pro Vice Chancellor Prof Arvind Awasthi by lighting the lamp.

The program started with the song 'Satyam Shivam Sundaram' by Nandini Sahai on which Kathak dance by Antara Srivastava was presented. Rida Hassan sang 'Ajeeb dasstan hai ye' , Sneha Chaoutala presented famous rendition of Farida khannum 'Aaj jaane ki Zid na karo', Vaishnavi Verma and Kanishka Shukla presented a duo, 'nighahen milaane ko jee chata hai' and Dev Verma by singing 'Saadgi' captivated everyone's heart. Abhinav Shyam Tiwari on guitar, Shivansh Chaurasia on synthesizer, Kushagra Pandey on dholak, Narendra Nath Pathak on flute and Kritika Kumar on dholak tied the knot. The program was conducted by Maryam Shaukat and the coordinator of the program was Prof. Roli Misra, Convener of Gender Sensitization Cell and Prof. Rashmi Kumar, Dean of Abhinavagupta Faculty. Teachers and students from various departments were present in large numbers in the program.

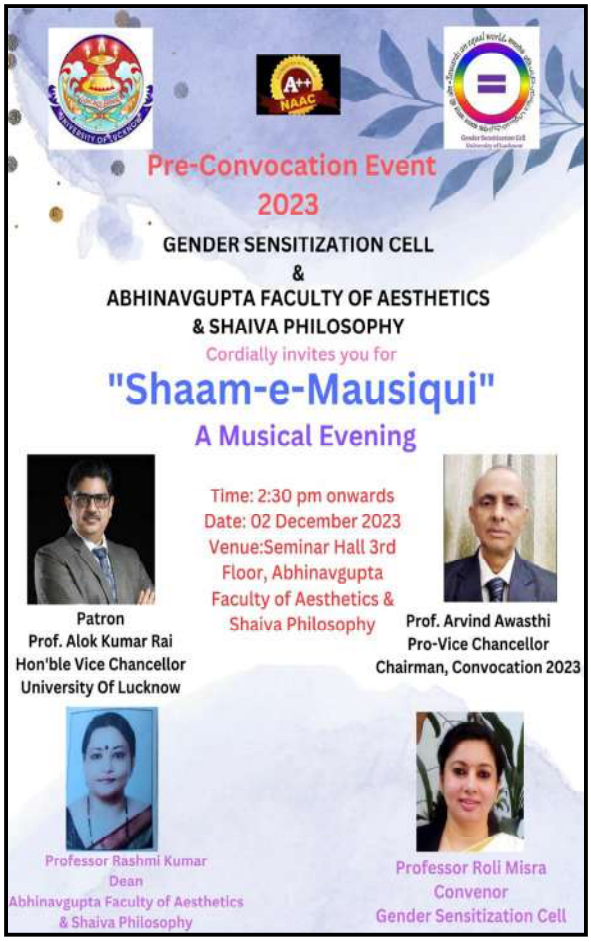

हिन्दुस्त

शाम-ए-मौसिकी: आज जाने की जिद न करो के सुर गूंजे

एलयू में दीक्षांत सप्ताह के तहत शनिवार को भी आयोजन हुए।

दीक्षांत सप्ताह

लखनऊ, संवाददाता। एलयू में दीक्षांत सप्ताह के तहत कई विभागों में कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं, व्याख्यान व कार्यशालाएं आयोजित की गईं। जिसमें विषयों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। लखनऊ विवि में छह दिसंबर को आयोजित होने वाले 66वें दीक्षांत समारोह के मद्देनजर पूर्व दीक्षांत सप्ताह में लैंगिक संवेदनशीलता प्रकोष्ठ और अभिनवगुप्त संकाय ऑफ एस्थेटिक्स एवं शैव दर्शन की ओर से 'शाम-ए-मौसिकी' कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

संयोजिका प्रोफेसर रोली मिश्रा ने बताया कि विद्यार्थियों ने सूफी, कथक, कव्वाली व फिल्मी गीतों से महफिल सजा दी। कार्यक्रम की शुरूआत छात्रा अंतरा श्रीवास्तव ने नंदिनी सहाय के गीत सत्यम शिवम सुंदरम पर कथक नृत्य प्रस्तुत कर की।

मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव होंगे

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व छात्र व पद्मश्री डॉ. बलराम भार्गव होंगे। उनकी कोरोना कोवैक्सीन बनाने में अहम भूमिका रही। वह नई दिल्ली स्थित एम्स, कार्डियोथोरेसिक सेंटर के प्रमुख हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि पद्मश्री डॉ. बलराम एलयू के छात्र रहे हैं। केजीएमयू से क्लिनिकल मेडिसिन और कार्डियोलॉजी: एमबीबीएस, एमडी, डीएम किया है। डॉ. बलराम भार्गव के जीवन और कार्य से प्रेरित हो विवेक अग्निहोत्री ने फिल्म 'द वैक्सीन वॉर' बनाई।

इसके बाद अजीब दास्तां पर रिदा हसन, आज जाने की जिद न करो पर स्नेहा चौटाला ने सबका मन मोह लिया। इस अवसर पर अन्य आयोजन भी हुए।